



मोबाईल नम्बर
पहचानो
किसका है?

शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

5 3 4



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

श्रावक के 12 व्रत



अणुव्रत

अहिंसाणुव्रत सत्याणुव्रत अचौर्याणुव्रत ब्रह्मचर्याणुव्रत परिग्रह परिमाणुव्रत

गुणव्रत

दिग्व्रत देशव्रत अनर्थदण्डव्रत

शिक्षाव्रत

समायिक प्रोषधोपवास भोगोपभोग परिणाम अतिथि संविभाग

5 12 25 15



57 आस्रव भेद

मिथ्यादर्शन अविरति कषाय योग



2 9 18 21 3



53 भाव

औपशमिक क्षायिक क्षायोपशमिक औदयिक पारिणामिक



3 5 10 12 22 5



57 संवर तत्व के भेद



गुप्ति समिति धर्म अनुप्रेक्षा परिषहजय चारित्र

24 12 9 9 9



63 शलाका पुरुष

तीर्थकर चक्रवर्ती बलभद्र नारायण
प्रतिनारायण



5 4 4 1 1



15 प्रमाद

इन्द्रिय कषाय विकथा राग-द्वेष निद्रा



5 30 34 35 58



णमोकार महामंत्र



पद व्यंजन स्वर अक्षय मात्रा

4

8



12 उपयोग के भेद



- 4, दर्शन— चक्षुदर्शन अचक्षुदर्शन अवधिदर्शन केवलदर्शन
5, सम्यक्ज्ञान— मतिज्ञान श्रुतज्ञान अवधिज्ञान मनःपर्ययज्ञान
केवलज्ञान 3, मिथ्याज्ञान— कुमति कुश्रुत कुअवधि

12 12 8 4 11 3 1
1 1



श्रावक की 53 क्रियाएँ



व्रत तप मूलगुण दान प्रतिमा रत्नत्रय समता जलगालन रात्री भोजन त्याग

46 8 36 25 28



पंच परमेष्ठी के 143 मूलगुन

अरहंत सिध्द आचार्य उपध्याय साधु



30 12 30 7



महावीर भगवान

वर्ष में दीक्षा वर्ष तप वर्ष विहार वर्ष में निर्वाण



85697481



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

तीनलोक में अकृत्रिम चैत्यालय

84 लाख 97 हजार 23 उर्ध्वलोक

458 मध्यलोक

7 करोड 72 लाख अधोलोक

36 अंगुल लम्बा 24 अंगुल
चौडा



जल छानने के कपडे का नाप



$$[5+5] \times [3 \times 24]$$



तीस चौबीसी के 720 भूत भविष्य वर्धमान

पाँच भरत 360 . पाँच ऐरावत 360



5 5 5 6 7



साधु परमेष्ठि के मूलगुण

महाव्रत समिति इन्द्रिय—विजय आवश्यक विशेष



28 22 12 12 10 13 6
5



मुनिराज के 108 गुण

मूलगुण परिषहजय तप भावना धर्म चारित्र काय पंचाचार



5 5 5



कर्म भूमियाँ 15



जम्बूद्वीप— भरत 1 ऐरावत 1 विदेह 1
घातकीखंड— भरत 2 ऐरावत 2 विदेह 2
पुष्करार्ध— भरत 2 ऐरावत 2 विदेह 2

$$(4+3+2=9)+(58+21+21=1)=10$$



अवसर्पिणी काल के 10 हजार कोडा-कोडी सागर

सुखमासुखमा सुखमा सुखमा-दुखमा दुखमा-सुखमा
दुखमा अतिदुखमा



899999997



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

तीन कम नौ करोड भावलिंगी मुनिराज

छठवे गुणस्थान प्रमत्तविरत से चौदहवे गुणस्थान
अयोगकेवली तक जीवों की संख्या का योग

6—59398206, 7—29699103, उपशम श्रेणी 8.9.10.11—4 X
298 = 1196 क्षपकश्रेणी 8 से 9 10 12 में $4 \times 598 =$
2392 13 में 898502 14 में 598



8

5

2

5



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

20 पुढुगल के उत्तर भेद

स्पर्श रस गन्ध वर्ण



24 12 9 9 9 9 11 24 14 24 24



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

169 महापुरुष

तीर्थकर चक्रवर्ती बलदेव नारायण प्रतिनारायण
नारद रुद्र कामदेव कुलकर भगवान के माता पिता



$$3 \times 3 \times 3 \times 4$$



108 जीव अधिकरण के भेद

आस्रव काय अनुमत कषाय



$$\begin{array}{ccccccc} 5 & 9 & 28 & 5 & + & 2 & 2 & 4 \\ & & & 93 & & & & \end{array}$$



148 કર્મ પ્રકૃતિયા

47 ઘાતિયા કર્મ પ્રકૃતિ
101 અઘાતિયા કર્મ પ્રકૃતિ



2 4 12 42 72



ढाई द्वीप के सूर्य व चन्द्रमा

जम्बुद्वीप लवण समुद्र धातकीखण्ड कालोदधि पुष्करार्घ



$$3 \times 3 \times 4 \times 5 \times 10 \times 10$$



18000 शील के भेद

गुप्ति करण सज्ञाये इन्द्रिया प्राण धर्म



12 10 6 3
5



आचार्य के विशेष गुण

तप धर्म आवश्यक गुप्ति पंचाचार



40 32 2 2
24



100 ईन्द्

भवन वासी देव व्यन्तर देव ज्योतिषक देव
मनुष्य एवं तिर्यच कल्पवासी देव



8

8

6

3



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

सम्यग्दर्शन के 25 दोष



अंग के विपरीत मद अनायतन मूढता

8 8 13



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

रत्नत्रय के 29 गुण

सम्यग्दर्शन के गुण ज्ञान के अंग चारित्र



7 7 7 7 7 7 10 2 2 2 4 4 4 14



शास्त्री प्रफुल्ल भारिल्ल आरोन 8817340826

84 लाख योनिया



नित्य निगोद इतर निगोद पृथ्वी कायिक जल
कायिक

अग्नि कायिक वायु कायिक
वनस्पति कायिक द्विन्द्ध्य त्रिन्द्ध्य चौइन्द्ध्य
तिथिंच 62 नारक देव मनुष्य



**Shastri Praful
bharill**
Mo.8817340826
Email.
prafuljain055@gm
ail.com



जय जिनेन्द्र